वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-3

(2015-2016, 2016-2017 एवम् 2017-2018 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-3 हिंदी भाषा-कौशल (अंग्रेजी के स्थान पर) Foundation Course-03

प्रस्तावना- हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। देश की अधिकतर जनता इसे समझती है। अहिन्दी प्रदेशों में इसका प्रचार-प्रसार हो यह आवश्यक है। हिंदी को मुख्य विषय के रूप में न लेकर पढ़ने वाले छात्र हिंदी से परिचित हो सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक-1. प्रतिज्ञा-प्रेमचंद

2. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 प्रेमचंद : व्यक्तित्व और कृतित्व

'प्रतिज्ञा' की कथावस्तु

'प्रतिज्ञा'में संवाद-योजना

ईकाई-2 'प्रतिज्ञा'के पात्र

'प्रतिज्ञा' में देश, काल और वातावरण

'प्रतिज्ञा' की भाषा-शैली

'प्रतिज्ञा' का शीर्षक

'प्रतिज्ञा' का उद्देश्य

ईकाई-3 शब्द-भेद-सामान्य परिचय

संज्ञा का सामान्य परिचय

ईकाई-4 अँग्रेजी अथवा गुजराती से हिंदी में अनुवाद

अंक- विभाजन-ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (1×7=7 अंक)

और 4 (अंग्रेजी या गुजराती से हिंदी में अनुवाद) (1×7=7 अंक)

पठित उपन्यास से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें- 1.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल

2.प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेश कुमार गुप्त

3.अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
5.संक्षेपीकरण-गणेशप्रसाद गुप्त
6.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा
7.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन
8.आधुनिक हिंदी उपन्यास-संपा.भीष्म साहनी, रामजी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
9.हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष-डॉ.रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा
10.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

3rd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER- 3 हिंदी भाषा-कौशल Foundation Course-3	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~04~~ 03
7	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~
8					Total Credits	03

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of One course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=03				Each Day 4th Hour can be used for Library work/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					

Saturday	Self Study Course	

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

सेमेस्टर-4

(2015-2016, 2016-2017 एवम् 2017-2018 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-4 हिंदी भाषा-कौशल (अंग्रेजी के स्थान पर) Foundation Course-04

प्रस्तावना- हिंदी हमारे देश की राजभाषा है। देश की अधिकतर जनता इसे समझती है। अहिन्दी प्रदेशों में इसका प्रचार-प्रसार हो यह आवश्यक है। हिंदी को मुख्य विषय के रूप में न लेकर पढ़ने वाले छात्र हिंदी से परिचित हो सकते हैं।

पाठ्यपुस्तक- 1. हिंदी कहानियाँ - डॉ.संजयसिंह (प्रकाशक-(जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. व्याकरण।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 कहानी: शब्द, परिभाषाएँ एवम् तत्त्व।
उसने कहा था
ईदगाह
गुण्डा

ईकाई-2 मक्रील
जहाँ लक्ष्मी कैद है
दोपहर का भोजन

ईकाई-3 वचन, लिग, उपसर्ग एवम् प्रत्यय का सामान्य परिचय।

ईकाई-4 भूल-सुधार

अंक- विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 टिप्पणी का प्रश्न (दो विकल्प से एक) (1×7=7 अंक)

और 4 (सात वाक्य भूल सुधार के देने होंगे) (7×1=7 अंक)

पठित उपन्यास से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी व्याकरण-डॉ.उमेशचंद्र शुक्ल

2.आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना-डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद

3.अच्छी हिंदी-रामचंद्र वर्मा

4.प्रयोग और प्रयोग-वी.रा.जगन्नाथन

5.कहानीःस्वरूप और संवेदना-राजेन्द्र यादव

6.हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

4th SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER- 4 हिंदी भाषा-कौशल Foundation Course-4	50+20=70		15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~04~~ 03
2	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~00~~
					Total Credits	~~06~~ 03

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of One course in each				Each Day 4th Hour can
Tuesday	Semester.				be used for
Wednes	Three Hours for each course per week				Library

	Total teaching hours per week=03	work/presentation ect.
Thursday		
Friday		
Saturday	Self Study Course	

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर-3

(2015-2016, 2016-2017 एवम् 2018-2019 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-5 छायावादी कविता (मुख्य और गौण) **Core Course-05**

प्रस्तावना- छायावाद हिंदी के आधुनिक काल की कविता की एक नूतन और मौलिक उपलब्धि है। इसमें कवियों ने अपनी स्वानुभूति की अभिव्यक्ति की है। प्रेम, प्रकृति और अध्यात्म इसके मुख्य विषय रहे हैं। शैली इसकी नवीन है। प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा और निराला इसके मील-स्तंभ हैं। छायावाद के बिना हम इस शताब्दी की धड़कनों को समझने में असमर्थ होंगे। अतः इसका अध्ययन-मनन बहुत ही प्रासंगिक एवम् अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- **लहर-जयशंकर प्रसाद**

(प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 शेरसिंह का शस्त्र-समर्पण

अशोक की चिंता

पेशोला की प्रतिध्वनि

ईकाई-2 उठ उठ री लघु लघु लोल लहर

हे सागर संगम अरुण नील

अब जागो जीवन के प्रभात

अरी वरुणा की शांत कछार

जगती की मंगलमयी उषा

ईकाई-3 ले चल वहाँ भुलावा देकर
उस दिन जब जीवन के पथ में
तुम्हारी आँखों का बचपन
अरे कहीं देखा है तुमने

ईकाई-4 वे कुछ दिन कितने सुंदर थे
चिर तृषित कंठ से तृप्ति-विधुर
अरे कहीं देखा है तुमने
निधरक तूने ठुकराया तब

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.छायावाद-डॉ.नामवर सिंह (राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली)
2.प्रसाद का काव्य-डॉ.प्रेमशंकर
4.जयशंकर प्रसाद-आ.नंददुलारे वाजपेयी
5. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
6.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
7.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
8.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

अथवा

प्रश्नपत्र-5 छायावादोत्तर हिंदी काव्य (मुख्य और गौण) Core Course-05

प्रस्तावना- आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक-नयी कविताः प्रतिनिधि रचनाएँ- संपा.डॉ.रणजीतसिंह
(प्रकाशक-जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 अज्ञेयकी निम्नलिखित कविताएँ-
पहला दौंगरा
कलगी बाजरे की
नदी के द्वीप

एक सन्नाटा बुनता हूँ

ईकाई-2 धर्मवीर भारती की निम्नलिखित कविताएँ-

फ़ीरोजी होठ

टूटा पहिया

एक प्रश्न

ईकाई-3 सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की निम्नलिखित कविताएँ-

कैसी विचित्र है जिन्दगी

लीक पर वे चलें

युद्ध स्थिति

ईकाई-4 नागार्जुन की निम्नलिखित कविताएँ-

अकाल और उसके बाद

सिंदूर तिलकित भाल

बहुत दिनों के बाद

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.नयी कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा

2. नागार्जुन की कविता-अजय तिवारी

3. नयी कविता)काव्य पक्ष-(रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद

4. हिंदी की प्रगतिवादी कविता-डॉ.मृत्युंजय उपाध्याय, अमर प्रकाश, मथुरा

5.नई कविता-डॉ.देवराज (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

6.धर्मवीर भारतीः युग-चेतना और अभिव्यक्ति-डॉ.सरिता शुक्ला, चिंतन प्रकाशन, कानपुर

7.धर्मवीर भारतीःअनुभव और अभिव्यक्ति-लक्ष्मणदत्त गौतम,भारत पुस्तक भंडार, दिल्ली

8.नई कविता के प्रतिमान-लक्ष्मीकांत वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9.अज्ञेय का काव्य -एक पुनर्मूल्यांकन-शंभुनाथ चतुर्वेदी

+++++

प्रश्नपत्र-6 हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण) Elective Course-03

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- **चित्रलेखा-भगवतीचरण वर्मा** (राजकमल प्रकाश प्रा.लि.नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 भगवतीचरण वर्मा साहित्यिक परिचय

'चित्रलेखा': कथानक का मूल्यांकन

'चित्रलेखा': एक ऐतिहासिक उपन्यास के रूप में

ईकाई-2 'चित्रलेखा'के मुख्य पात्र-चित्रलेखा,बीजगुप्त,कुमारस्वामी।

ईकाई-3 'चित्रलेखा' के गौण पात्र।

'चित्रलेखा' के संवाद

'चित्रलेखा': वातावरण -योजना

ईकाई-4 'चित्रलेखा'की भाषा-शैली

'चित्रलेखा' का उद्देश्य

'चित्रलेखा': शीर्षक-योजना।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय

2.हिंदी के बहुचर्चित उपन्यास-भगवतीशरण मिश्र

3.उपन्यास-स्थिति और गति-(प्रथम खंड)चंद्रकांत बांडिवडेकर

4.समकालीन हिंदी साहित्य-विविध विमर्श-संपा.श्री राम शर्मा

5.बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य-विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली

6.मिस फोकलॉर-देवेन्द्र सत्यार्थी,पुस्तकायन, नई दिल्ली

7.हिंदी उपन्यास-एक अंतर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8.हिंदी उपन्यास-डॉ.सुषमा धवन,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

9.हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

+++++

अथवा

प्रश्नपत्र-6 हिंदी उपन्यास (मुख्य और गौण) Elective Course-03

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में उपन्यास सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- सुनीता-जैनेन्द्र कुमार

(राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय

'सुनीता' का कथानक-मूल्यांकन

'सुनीता' एक मनोवैज्ञानिक उपन्यास।

ईकाई-2 'सुनीता' के पात्र-सुनीता,हरिप्रसन्न,श्रीकांत और सत्या

ईकाई-3 'सुनीता' उपन्यास की संवाद-योजना

'सुनीता' में वातावरण-योजना।

ईकाई-4 'सुनीता' की भाषा-शैली

'सुनीता' का उद्देश्य

'सुनीता' शीर्षक की सार्थकता।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.आधुनिक हिंदी उपन्यास-संपा.भीष्म साहनी, रामजी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)

2.हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष-डॉ.रामदरश मिश्र (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)

3.हिंदी उपन्यास का इतिहास-डॉ.गोपाल राय

4.जैनेन्द्र एक अध्ययन-डॉ.राजेन्द्र मोहन भट्टनागर

5.हिंदी उपन्यासः एक अन्तर्यात्रा-डॉ.रामदरश मिश्र

6.हिंदी उपन्यास की प्रवृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा

7.हिंदी उपन्यासः उपलब्धियाँ-डॉ.लक्ष्मीसागर वाष्णेय,राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

8.आधुनिकता और हिंदी उपन्यास-डॉ.इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली

9.जैनेन्द्र के उपन्यास-परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

+++++

प्रश्नपत्र-7 हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) Core Course-07

प्रस्तावना- आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के हिंदी के विकास परिदृश्य के साथ उसकी सर्जनात्मकता के विविध रूपों, प्रवृतियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के द्वारा ही दिया जा संकता है। अतः हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन सर्वथा योग्य एवम् आवश्यक है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 1.साहित्य के इतिहास में काल-विभाजन और नामकरण की समस्या।

2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृतियाँ।

3. आदिकालीन परिस्थितियाँ

ईकाई-2 1. भक्तिकाल की मुख्य प्रवृतियाँ।

2. भक्तिकाल की मुख्य-धाराएँ

3. पद्मावत, रामचरित मानस तथा सूरसागर का परिचय।

ईकाई-3 1. रीतिकाल: शब्द, नामकरण, धाराएँ

2. रीतिकाल की प्रमुख विशेषताएँ।

ईकाई-4 1. केशवदास, देव, बिहारी, घनानंद, आलम तथा भूषण का साहित्यिक परिचय।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का आदिकाल-हजारीप्रसाद द्विवेदी
4.हिंदी साहित्य का अतीत-१-२ -विश्वनाथप्रसाद मिश्र
5.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
6.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
7.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
8.आदिकाल की भूमिका-पुरुषोत्तम प्रसाद
9.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल

+++++

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

3rd SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -5 छायावादी कविता Core Course-5	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 5 छायावादोत्तर हिंदी काव्य Core Course-5	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
3	PAPER -6 हिंदी उपन्यास Elective Course-3	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -6 हिंदी उपन्यास Elective Course-3	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
5	PAPER- 7 हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-6	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each				Each Day 4th Hour can
Tuesday	Semester.				be used for
Wednes	Three Hours for each course per week				Library work//presentation
Thursday	Total teaching hours per week=06				ect.
Friday					

Saturday	Self Study Course	

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

द्वितीय वर्ष बी.ए.

हिंदी

सेमेस्टर-4

(2015-2016, 2016-2017 एवम् 2018-2019 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र-8 **हिंदी काव्य (मुख्य और गौण)** Core Course-07

प्रस्तावना- आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदनाएँ, भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक- 1. संजीवनी-सोहनलाल द्विवेदी

(स्मृति प्रकाशन, 124, शहरारबाग,इलाहाबाद-3)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 **सोहनलाल द्विवेदीः व्यक्तित्व और कृतित्व**

खण्डकाव्यः परिभाषा एवम् लक्षण

'संजीवनी' : कथावस्तु

ईकाई-2 **'संजीवनी': काव्य-स्वरूप**

'संजीवनी' के पात्र–कच, देवयानी, शुक्राचार्य, बृहस्पति,दानव

'संजीवनी' में प्रेम-वर्णन

ईकाई-3 **'संजीवनी' में संवाद-योजना**

'संजीवनी' शीर्षक की सार्थकता

ईकाई-4 **'संजीवनी' काव्य का उद्देश्य**

'संजीवनी' का कला-पक्ष।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन-संपा.डॉ.यश गुलाटी

2.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज

3.हिंदी साहित्य में रूपक-कथा-काव्यः उद्भव और विकास-डॉ.नूरजहाँ बेगम

4.हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खण्डकाव्य-डॉ.कविता शर्मा
(पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद)

5.नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोधं-उर्वशी शर्मा

6.नयी कविता की प्रबंध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान

7.आधुनिक प्रबंध-काव्यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे

+++++

अथवा

प्रश्नपत्र-8 हिंदी काव्य (मुख्य और गौण) Core Course-07

प्रस्तावना- आधुनिक हिंदी काव्य नवीन भावभूमि एवम् नवीन वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध में इसमें नवीन संवेदना भावनाएँ तथा नवीन विचार अभिव्यक्त हुए हैं। इसकी विविध धाराएँ हैं। इसलिए संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक तथा प्रासंगिक है।

पाठ्यपुस्तक- 1. भूमिजा-नागार्जुन
(वाणी प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 नागार्जुनः व्यक्तित्व और कृतित्व
'भूमिजा' का काव्य-स्वरूप
'भूमिजा': कथावस्तु

ईकाई-2 'भूमिजा' में आधुनिकता।
'भूमिजा' के मुख्य पात्र।

ईकाई-3 'भूमिजा' में संवाद-योजना
'भूमिजा' में प्रकृति-चित्रण।
'भूमिजा' के गौण पात्र

ईकाई-4 'भूमिजा' शीर्षक की सार्थकता
'भूमिजा' काव्य का उद्देश्य
'भूमिजा' का कला-पक्ष।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी के खंडकाव्यों में युग-बोध-डॉ.राज भारद्वाज

2.नव्य प्रबंध-काव्यों में आधुनिक-बोध-उर्वशी शर्मा

3.नयी कविता की प्रबंध-चेतना-डॉ.महावीरसिंह चौहान

4.आधुनिक प्रबंध-काव्यःसंवेदना के धरातल-संपा.डॉ.विनोद गोदरे

5.हिंदी के श्रेष्ठ काव्यों का मूल्यांकन-संपा.डॉ.यश गुलाटी

6.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य-डॉ.बेचैन

+++++

प्रश्नपत्र-9 हिंदी नाटक (मुख्य और गौण) Elective Course-04

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में नाटक सबसे अधिक विकसित विधा है। आज तो उसने रंगमंच से जुड़कर महत्वपूर्ण रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- 1. होरी-विष्णुप्रभाकर

(राजपाल एण्ड सन्ज, नई दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 विष्णु प्रभाकरः एक नाटककार के रूप में

प्रेमचंद और उनका गोदान

'होरी' का कथानक

'होरी' में नाटककार की कल्पना

'होरी' में चित्रित समस्या

ईकाई-2 'होरी' के पात्र-

होरी, धनिया, गोबर, दातादीन, भोला, झुनिया,सोना

ईकाई-3 'होरी' के संवाद

'होरी' में वातावरण-योजना

'होरी' की भाषा-शैली

ईकाई-4 'होरी' का उद्देश्य

'होरी' शीर्षक की सार्थकता

'होरी' में गीत-योजना

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 2 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 3 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

1.विष्णुप्रभाकर का साहित्यःकल, आज और कल-संपा. डॉ.पद्मा पाटिल,शिवनेरी पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,अमरावती,महाराष्ट्र,

2. हिंदी नाटक-डॉ.बच्चनसिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

3.हिंदी नाटकः उद्भव और विकास-डॉ.दशरथ ओझा (राजपाल एण्ड सन्ज़, दिल्ली)

4.समालोचक-भाग-4 डॉ.रामविलास शर्मा

5.नागार्जुन रचनावली भाग-2 संपा.शोभाकांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अथवा

प्रश्नपत्र-9 हिंदी एकांकी (मुख्य और गौण) Elective Course-04

प्रस्तावना- हिंदी गद्य विधाओं में एकांकी सबसे अधिक विकसित व लोकप्रिय है। आज तो उसने शास्त्र का रूप धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अध्ययन अनिवार्य है।

पाठ्यपुस्तक- 1.सप्त-एकांकी संपा.डॉ.बी.के. कलासवा

(प्रकाशक-शांति प्रकाशन,रोहतक)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 हिंदी एकांकीः उद्भव और विकास

ईकाई-2 एकांकी शब्द का अर्थ, परिभाषा एवम् तत्त्व
पृथ्वीराज की आँखें-डॉ.रामकुमार वर्मा
दो कलाकार-भगवतीचरण वर्मा

ईकाई-3 लक्ष्मी का स्वागत-उपेन्द्रनाथ अश्क
स्ट्राईक-भुवनेश्वर प्रसाद
सीमा-रेखा-विष्णु प्रबाकर

ईकाई-4 रीढ़ की हड्डी-जगदीशचंद्र माथुर
यहाँ रोना मना है-ममता कालिया

अंक-विभाजन-

ईकाई 2 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)

ईकाई 1 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)

सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी एकांकी-सिद्धनाथ कुमार (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2.एकांकी और एकांकीकार-रामचरण महेन्द्र
3.साहित्य,मनोविज्ञान और हिंदी एकांकी-गुरूदयाल बजाज

+++++

प्रश्नपत्र-10 हिंदी साहित्य का इतिहास (मुख्य) Core Course-08

प्रस्तावना- बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ से लेकर आज तक के हिंदी के विकास परिदृश्य के साथ उसकी सर्जनात्मकता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के द्वारा ही दिया जा सकता है। अतः हिंदी साहित्य के इतिहास का अध्ययन सर्वथा योग्य एवम् आवश्यक है।

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र-

ईकाई-1 भारतेन्दुयुगीन और द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख विशेषताएँ।
छायावादी तथा प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

ईकाई-2 प्रयोगवादी कविता की प्रमुख विशेषताएँ।

मैथिलीशरण गुप्त, प्रसाद, पंत, महादेवी, निराला का साहित्यिक परिचय।
दिनकर, बच्चन, शिवमंगल सिह सुमन तथा अज्ञेय का साहित्यिक परिचय।

ईकाई-3 उपन्यास, कहानी तथा आलोचना का उद्भव और विकास।

ईकाई-4 नाटक का उद्भव और विकास।

अंक-विभाजन-

ईकाई 1 और 3 से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न (13×2=26 अंक)
ईकाई 2 और 4 से टिप्पणियाँ (चार विकल्प से दो) (7×2=14 अंक)
सभी ईकाईयों से संक्षिप्त प्रश्न (दस विकल्प से पाँच) (5×2=10 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1.हिंदी साहित्य का इतिहास. डॉ.नगेन्द्र
2.हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
3.हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल
4.हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ.बच्चन सिंह
5.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-१-२ -डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
6.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डॉ.जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
7.हिंदी का गद्य-साहित्य-डॉ.प्रसाद
8.आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.विजयपाल सिंह

+++++

HINDI

B.A. DEGREE COURSE

1ST SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -8 हिंदी काव्य Core Course-7	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
2	PAPER- 8	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45	3 Hrs	03

	हिंदी काव्य Core Course-7			Hrs		
3	PAPER -9 हिंदी उपन्यास Elective Course-4	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 =45 Hrs	3 Hrs	03
4	PAPER -9 हिंदी उपन्यास Elective Course-4	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
5	PAPER- 10 हिंदी साहित्य का इतिहास Core Course-8	50+20=70	28+12=40	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	03
6	Self Studies, Assignments & Tutorials Self Study Course-1	-	-	15 Weeks × 3 = 45 Hrs	3 Hrs	~~02~~

Model of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of two course in each Semester. Three Hours for each course per week Total teaching hours per week=06				Each Day 4th Hour can be used for Library work/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				